प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर की तकनीक को खरीदा इंसेक्टीसाइड्स (इण्डिया) लिमिटेड ने

पंतनगर। 07 मई, 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय एवं इंसेक्टीसाइड्स (इण्डिया) लिमिटेड, दिल्ली, के बीच आज एक अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति के सभागार में हुए इस कार्यक्रम में पंतनगर विश्वविद्यालय की ओर से निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी, तथा इंसेक्टीसाइड्स (इण्डिया) लिमिटेड की ओर से वहां के प्रबंधक, डा. एस.सी. रोहेला, ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किये।

यह अनुबंध विश्वविद्यालय के विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक, डा. अनिल कुमार शर्मा, द्वारा विकसित जैव उर्वरक उत्पादन की माइकोराइजा आधारित इन-विट्रो प्रौप्रेगेशन की आधुनिक तकनीक को 14 लाख रूपये में इंसेक्टीसाइड्स (इण्डिया) लिमिटेड, दिल्ली, को विक्रय करने हेतु किया गया। डा. शर्मा ने बताया कि यह तकनीक पौधों की वृद्धि एवं उसकी उपज में 5 से 20 प्रतिशत वृद्धि कर सकती है। साथ ही यह मृदा-जनित बीमारियों के प्रति अवरोधकता उत्पन्न करती है। उनहोंने बताया कि इस तकनीक का प्रशिक्षण विभिन्न खाद्यान्न फसलों, फलीदार फसलों, सब्जियों, फूलों तथा औद्यनिक फसलों पर सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इस तकनीक को विकसित करने में लगभग 15 वर्ष का समय लगा। जीव विज्ञान विभाग की वरिष्ठ शोध अध्येयता, सुविज्ञा शर्मा, का भी इस तकनीक को विकसित करने में सहयोग रहा है। कम्पनी द्वारा इस तकनीक की सहायता से जैव उर्वरक का उत्पादन कर किसानों के लिए उपलब्ध कराया जायेगा, जिससे वे अपनी फसलों को अधिक स्वस्थ्य व उत्पादक बना पायेंगे।

कुलपति, डा. तेज प्रताप ने कहा कि यह अनुबंध पंतनगर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को नये क्षेत्र में नये शोध करने के लिए प्रेरित करेगा, जो बाजार की मांग के अनुसार होंगे। उन्होंने आशा जतायी कि इंसेक्टीसाइड्स (इण्डिया) लिमिटेड इस तकनीक का प्रयोग कृषि एवं कृषि औद्य ोगिकी क्षेत्र के विकास में करेगी।

इस अवसर पर विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. ए.के. शुक्ला एवं जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. पी.बी. राव, डा. जे.पी. मिश्रा, डा. वाई.पी.एस. डबास, डा. एस.के. बंसल, डा. अवधेश कुमार एवं अन्य वैज्ञानिक व अधिकारी उपस्थित थे।

अनुबंध पर हस्ताक्षरित अनुबंध के साथ कुलपति, डा. तेज प्रताप, इंसेक्टीसाइड्स (इण्डिया) लिमिटेड के प्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित वैज्ञानिक एवं अधिकारी।